731

SA-06

June - Examination 2019

B.A. Pt. III Examination

वेद, उपनिषद् तथा भारतीय दर्शन

Paper - SA-06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 70**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section - A $7 \times 2 = 14$

(Very Short Answer Questions)

Note: Answer **all** questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

खण्ड – 'अ'

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) ''स पूर्वेभिः ऋषिभिः इड्यो'' उक्त कथन किस सूक्त का है?

(ii) दीर्घतमा किस सूक्त के ऋषि हैं?

(iii) हिरण्यगर्भ किस स्थान के देवता हैं?

(iv) अथर्ववेद से सम्बद्ध दो सूक्तों के नाम लिखिए।

(v) पुरुषसूक्त के देवता ऋषि एवं छन्द का नाम लिखिए।

(vi) कठोपनिषद् किस वेद की किस शाखा से सम्बद्ध है?

(vii) कठोपनिषद् के अनुसार रथ के रूपक सारथी किसे कहा गया है?

Section - B $4 \times 7 = 28$

(Short Answer Questions)

Note: Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 7 marks.

(खण्ड – ब)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी एक मन्त्र की सन्दर्भ–अन्वय–अनुवाद सहित व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए।

अ) तदस्य प्रियमभि पाथो अश्यां
नरो यत्र देवयवो मदन्ति।
उरुक्रमस्य स हि बन्धुरित्था
विष्णोः पदे परमे मध्व उत्सः ।।

अथवा

ब) येन कर्माण्यपसो मनीषिणो
यज्ञे कृण्वन्ति विदथेषु धीराः।
यदपूर्वं यक्षमन्तः प्रजानां
तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु ।।

3) यम द्वारा नचिकेता को दिये गये प्रलोभनों पर संक्षिप्त में प्रकाश डालिए।

4) निम्न में से किसी एक की व्याख्या कीजिए –

अ) शान्तसंकल्पः सुमना यथा स्याद्वीतमन्युर्गौतमो माभि मृत्यो।
त्वत्प्रसृष्टं माभिवदेत्प्रतीतः एतत्त्रयाणां प्रथमं वरं वृणे ।।

अथवा

ब) शतायुषः पुत्रपौत्रान्वृणीष्व बहून्पशून्हस्तिहिरण्यमश्वान्।
भूमेर्महदायतनं वृणीष्व स्वयं च जीव शरदो यावदिच्छसि।।

5) सांख्यदर्शन के अनुसार सत्कार्यवाद को स्पष्ट कीजिए।

6) न्याय वैशेषिक दर्शन के अनुसार आत्मा के चौदह गुणों का उल्लेख करते हुए उसके भेदों का उल्लेख कीजिए।

7) जैन दर्शन के अुनसार मोक्ष किसे कहते हैं? मोक्ष के भेदों को लिखिए।

8) न्याय दर्शन के अुनसार ईश्वर के षडैश्वर्य पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

9) कठोपनिषद् के अनुसार आत्मा के भेदों को स्पष्ट कीजिए।

Section - C $2 \times 14 = 28$

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum up to 500 words. Each question carries 14 marks.

(खण्ड – स)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

10) कठोपनिषद् के अनुसार नचिकेता द्वारा यम से माँगे गये वर–त्रय का वर्णन कीजिए।

11) कार्यकारणवाद में मायावाद की स्थिति पर विशद लेख लिखिए।

12) योग दर्शन में ईश्वर के स्वरूप का विस्तृत वर्णन कीजिए।

13) बौद्ध दर्शन में प्रतीत्यसमुत्पाद को विशदतया स्पष्ट कीजिए।

———